This question paper contains 2 printed pages. Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1684

Unique Paper Code : 62131101

Name of the Paper : Sanskrit Poetry, DSC

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit, CBCS - LOCF

Semester : I

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 75

(a) इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.

(b) अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

(c) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer all questions.

1. प्रत्येक भाग में से **दो–दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए : 6×5 = 30

Translate any two shlokas from each part.

क. (i) मन्दः कवियशःप्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः।।

(ii) यथाविधिहुताग्नीनां यथाकामार्चितार्थिनाम् ॥
यथाऽपराधदण्डानां यथाकालप्रबोधिनाम् ॥

(iii) शैशवेऽभ्यस्तविद्यानां यौवने विषयैषिणाम्।
वार्धके मुनिवृत्तीनां योगेनान्ते तनुत्यजाम् ।।

(iv) प्रजानां विनयाधानाद्रक्षणाद्भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः।।

ख (i) सर्वकार्यशरीरेषु मुक्त्वाऽङ्गस्कन्धपञ्चकम्।
सौगतानामिवात्मान्यो नास्ति ॥

(ii) अनिर्लोडितकार्यस्य वाग्जालं वाग्मिनो वृथा।
निमित्तादपराद्धेषोर्धानुष्कस्येव वल्गितम्।।

(iii) सखा गरीयान् शत्रुश्च कृत्रिमस्तौ हि कार्यतः।
स्यातामसित्रौ मित्रे च सहजप्राकृतावपि।॥

(iv) पादाहतं यदुत्थाय मूर्धानम् अधिरोहति।
स्वस्थादेवापमानेऽपि देहिनस्तद्वरं रजः ॥

ग (i) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्रेण सूर्यातपो
नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ।

(ii) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः।
यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः ॥

(iii) शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं,
महीध्रादुत्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा,
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः ।।

(iv) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं,
विद्या भोगकरी यशःसुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता,
विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीनः पशुः।।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 7

Explain with Reference to the Context.

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः ।
तृणं न खादन्नपि जीवनमान-स्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्।।

अथवा/Or

मन्त्रो योध इवाधीरः सर्वाङ्गैः कल्पितैरपि।
चिरं न सहते स्थातुं परेभ्यो भेदशङ्कया ।।

अथवा /Or

वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर निबन्ध लिखिए : 10×2=20

Write Essay on any **two** of the following.

(i) मूर्खपद्धति

(ii) शिशुपालवध के द्वितीय सर्ग के पठितांश का सार

(iii) रघुवंशी राजाओं के गुणों का वर्णन

(iv) भर्तृहरि की शैली

4. प्रमुख महाकाव्यों पर प्रकाश डालिए : 10

Throw light on the main 'Mahakavyas'.

अथवा/Or

संस्कृत गीतिकाव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
Discuss the Characteristics of Sanskrit Geetikavya.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×4=8

Write the short notes on any **two** of the following.

माघ, नीतिशतक, कालिदास, श्रीहर्ष